राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय
स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंक विभाजन
MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL
Sangeetika Junior Diploma in performing art- (S.J.D.P.A.)
2024 -25 (Regular)

PAPER	SUBJECT - Kathak)	MAX	MIN
1	Theory -I History and Development of Indian dance	100	33
2	PRACTICAL - I Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

संगीतिका जूनियर डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट
विषय–सुगम नृत्य
शास्त्र

समयः– 3 घन्टे **पूर्णांक–100**

1. अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुक्त हस्त मुद्राओं का विनियोग सहित वर्णन।
2. संगीत की परिभाषा एवं उसमें नृत्य का स्थान।
3. भारत में प्रचलित शास्त्रीय नृत्यों से संबंधित नृत्यकारों के नामों की जानकारी।
4. भारत में प्रचलित प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों की संक्षिप्त जानकारी।
5. भारत के प्रांतों से संबंधित प्रमुख लोकनृत्यों की जानकारी।
6. लय तथा इसके प्रकारों का अध्ययन।
7. अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का संक्षिप्त विवरण।
8. तीनताल (16–मात्रा), दादरा (6–मात्रा), एवं कहरवा (8–मात्रा) तालों का विस्तृत ज्ञान।
9. निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञान :–
   मात्रा, ताली, खाली, सम, आवर्तन, ताल व लय।
10. भजन, गीत, गज़ल एवं लोकगीत का परिचयात्मक ज्ञान।

प्रायोगिक **पूर्णांक– 100**

1. असंयुक्त तथा संयुक्त हस्त मुद्राओं का श्लोक सहित प्रदर्शन।
2. तीनताल (16–मात्रा), दादरा (6–मात्रा) एवं कहरवा (8–मात्रा) तालों विभिन्न प्रकार के पद संचालन तथा नृत्य भेदों में उनका चलन तथा विनियोग।
3. निम्नलिखित में से प्रत्येक में तीन–तीन नृत्यों पर भाव सहित प्रदर्शन।
   गीत, भजन एवं लोकनृत्य (घूमर, कालबेलिया, गरबा)।
4. उपरोक्त सभी तालों को हाथ से ताली–खाली सहित लगाने की क्षमता।
5. शास्त्र में आए सभी प्रश्नों का मौखिक रूप से उत्तर देने की क्षमता।

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1.कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण।
2.विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट।